# Jas

## Chapter 1

### Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Ἰάκωβος, | Θεοῦ | καὶ | Κυρίου | Ἰησοῦ | Χριστοῦ | δοῦλος; | ταῖς | δώδεκα | φυλαῖς |
| याकूब | परमेश्वर-के | और | प्रभु | येशु | ख्रिस्तोस-के | दास | उन | बारह | गोत्रों-को |
| G2385 | G2316 | G2532 | G2962 | G2424 | G5547 | G1401 | G3588 | G1427 | G5443 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ταῖς | ἐν | τῇ | Διασπορᾷ: | χαίρειν. |
| जो | में | उस | तितर-बितर-में | नमस्कार |
| G3588 | G1722 | G3588 | G1290 | G5463 |

> याकूब का, जो परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह का दास है, संतों के बारहों कुलों को नमस्कार पहुँचे जो समूचे संसार में फैले हुए हैं।

2

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Πᾶσαν | χαρὰν | ἡγήσασθε, | ἀδελφοί | μου, | ὅταν | πειρασμοῖς | περιπέσητε | ποικίλοις, |
| सब | आनन्द | मानो | भाइयो | मेरे | जब | परीक्षाओं-में | पड़ो | विभिन्न |
| G3956 | G5479 | G2233 | G0080 | G1473 | G3752 | G3986 | G4045 | G4164 |

> हे मेरे भाईयों, जब कभी तुम तरह तरह की परीक्षाओं में पड़ो तो इसे बड़े आनन्द की बात समझो।

3

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| γινώσκοντες | ὅτι | τὸ | δοκίμιον | ὑμῶν | τῆς | πίστεως | κατεργάζεται | ὑπομονήν. |
| जानते-हुए | कि | यह | परख | तुम्हारे | उस | विश्वास-की | उत्पन्न-करती-है | धीरज |
| G1097 | G3754 | G3588 | G1383 | G4771 | G3588 | G4102 | G2716 | G5281 |

> क्योंकि तुम यह जानते हो कि तुम्हारा विश्वास जब परीक्षा में सफल होता है तो उससे धैर्यपूर्ण सहन शक्ति उत्पन्न होती है।

4

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ἡ | δὲ | ὑπομονὴ | ἔργον | τέλειον | ἐχέτω, | ἵνα | ἦτε | τέλειοι | καὶ | ὁλόκληροι, |
| और | यह | धीरज | काम | सिद्ध | करे | ताकि | तुम-हो | सिद्ध | और | पूर्ण |
| G3588 | G1161 | G5281 | G2041 | G5046 | G2192 | G2443 | G1510 | G5046 | G2532 | G3648 |

| | | |
|---|---|---|
| ἐν | μηδενὶ | λειπόμενοι. |
| में | किसी-में | घटी-न-हो |
| G1722 | G3367 | G3007 |

> और वह धैर्यपूर्ण सहन शक्ति एक ऐसी पूर्णता को जन्म देती है जिससे तुम ऐसे सिद्ध बन सकते हो जिनमें कोई कमी नहीं रह जाती है।

5

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Εἰ | δέ | τις | ὑμῶν | λείπεται | σοφίας, | αἰτείτω | παρὰ | τοῦ | διδόντος, | Θεοῦ, |
| यदि | और | कोई | तुम-में-से | घटी-हो | बुद्धि-की | माँगे | से | उस | देनेवाले | परमेश्वर-से |
| G1487 | G1161 | G5100 | G4771 | G3007 | G4678 | G0154 | G3844 | G3588 | G1325 | G2316 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| πᾶσιν | ἁπλῶς, | καὶ | μὴ | ὀνειδίζοντος, | καὶ | δοθήσεται | αὐτῷ. |
| सब-को | उदारता-से | और | नहीं | उलाहना-देनेवाले | और | दी-जाएगी | उसे |
| G3956 | G0574 | G2532 | G3361 | G3679 | G2532 | G1325 | G0846 |

> सो यदि तुममें से किसी में विवेक की कमी है तो वह उसे परमेश्वर से माँग सकता है। वह सभी को प्रसन्नता पूर्वक उदारता के साथ देता है।

6

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| αἰτείτω | δὲ | ἐν | πίστει, | μηδὲν | διακρινόμενος. | ὁ | γὰρ | διακρινόμενος | ἔοικεν |
| माँगे | पर | में | विश्वास-से | कुछ-भी | सन्देह-न-करते-हुए | वह | क्योंकि | सन्देह-करनेवाला | समान-है |
| G0154 | G1161 | G1722 | G4102 | G3367 | G1252 | G3588 | G1063 | G1252 | G1503 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| κλύδωνι | θαλάσσης, | ἀνεμιζομένῳ | καὶ | ῥιπιζομένῳ. |
| लहर-के | समुद्र-की | हवा-से-उड़ाई | और | इधर-उधर-डोलाई |
| G2830 | G2281 | G0416 | G2532 | G4494 |

> बस विश्वास के साथ माँगा जाए। थोड़ा सा भी संदेह नहीं होना चाहिए। क्योंकि जिसको संदेह होता है, वह सागर की उस लहर के समान है जो हवा से उठती है और थरथराती है।

7

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| μὴ | γὰρ | οἰέσθω | ὁ | ἄνθρωπος | ἐκεῖνος, | ὅτι | λήμψεταί | τι | παρὰ | τοῦ |
| न | क्योंकि | सोचे | वह | मनुष्य | वह | कि | पाएगा | कुछ | से | उस |
| G3361 | G1063 | G3633 | G3588 | G0444 | G1565 | G3754 | G2983 | G5100 | G3844 | G3588 |

| |
|---|
| Κυρίου; |
| प्रभु–से |
| G2962 |

> ऐसे मनुष्य को यह नहीं सोचना चाहिए कि उसे प्रभु से कुछ भी मिल पायेगा।

8

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ἀνὴρ | δίψυχος, | ἀκατάστατος | ἐν | πάσαις | ταῖς | ὁδοῖς | αὐτοῦ. |
| मनुष्य | दुचित्ता | अस्थिर | में | सब | उन | मार्गों–में | अपने |
| G0435 | G1374 | G0182 | G1722 | G3956 | G3588 | G3598 | G0846 |

> ऐसे मनुष्य का मन तो दुविधा से ग्रस्त है। वह अपने सभी कर्मों में अस्थिर रहता है।

9

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Καυχάσθω | δὲ | ὁ | ἀδελφὸς | ὁ | ταπεινὸς, | ἐν | τῷ | ὕψει | αὐτοῦ; |
| घमण्ड-करे | पर | वह | भाई | जो | दीन | में | उस | ऊँचाई–में | अपनी |
| G2744 | G1161 | G3588 | G0080 | G3588 | G5011 | G1722 | G3588 | G5311 | G0846 |

> साधारण परिस्थितियों वाले भाई को गर्व करना चाहिए कि परमेश्वर ने उसे आत्मा का धन दिया है।

10

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ὁ | δὲ | πλούσιος, | ἐν | τῇ | ταπεινώσει | αὐτοῦ, | ὅτι | ὡς | ἄνθος | χόρτου, |
| वह | पर | धनी | में | उस | दीनता–में | अपनी | क्योंकि | जैसे | फूल | घास–का |
| G3588 | G1161 | G4145 | G1722 | G3588 | G5014 | G0846 | G3754 | G5613 | G0438 | G5528 |

| |
|---|
| παρελεύσεται. |
| बीत-जाएगा |
| G3928 |

> और धनी भाई को गर्व करना चाहिए कि परमेश्वर ने उसे नम्रता दी है। क्योंकि उसे तो घास पर खिलने वाले फूल के समान झड़ जाना है।

11

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ἀνέτειλεν | γὰρ | ὁ | ἥλιος, | σὺν | τῷ | καύσωνι, | καὶ | ἐξήρανεν | τὸν | χόρτον, |
| उगा | क्योंकि | वह | सूर्य | साथ | उस | तपन–के | और | सुखा-दिया | उस | घास–को |
| G0393 | G1063 | G3588 | G2246 | G4862 | G3588 | G2742 | G2532 | G3583 | G3588 | G5528 |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| καὶ | τὸ | ἄνθος | αὐτοῦ | ἐξέπεσεν, | καὶ | ἡ | εὐπρέπεια | τοῦ | προσώπου | αὐτοῦ |
| और | वह | फूल | उसका | झड़-गया | और | वह | सुन्दरता | उस | मुख–की | उसके |
| G2532 | G3588 | G0438 | G0846 | G1601 | G2532 | G3588 | G2143 | G3588 | G4383 | G0846 |

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ἀπώλετο. | οὕτως | καὶ | ὁ | πλούσιος | ἐν | ταῖς | πορείαις | αὐτοῦ, | μαρανθήσεται. |
| नष्ट-हुई | इसी-प्रकार | भी | वह | धनी | में | उन | यात्राओं–में | अपनी | मुरझाएगा |
| G0622 | G3779 | G2532 | G3588 | G4145 | G1722 | G3588 | G4197 | G0846 | G3133 |

> सूरज कड़कड़ाती धूप लिए उगता है और पौधों को सुखा डालता है। उनकी फूल पत्तियाँ झड़ जाती हैं और सुन्दरता समाप्त हो जाती है। इसी प्रकार धनी व्यक्ति भी अपनी भाग दौड़ के साथ समाप्त हो जाता है।

12

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Μακάριος | ἀνὴρ | ὃς | ὑπομένει | πειρασμόν; | ὅτι | δόκιμος | γενόμενος, | λήμψεται |
| धन्य | मनुष्य | जो | सहता-है | परीक्षा | क्योंकि | खरा | ठहरकर | पाएगा |
| G3107 | G0435 | G3739 | G5278 | G3986 | G3754 | G1384 | G1096 | G2983 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| τὸν | στέφανον | τῆς | ζωῆς, | ὃν | ἐπηγγείλατο | τοῖς | ἀγαπῶσιν | αὐτόν. |
| वह | मुकुट | उस | जीवन–का | जो | प्रतिज्ञा-की | उन–को | प्रेम-करनेवालों–को | उससे |
| G3588 | G4735 | G3588 | G2222 | G3739 | G1861 | G3588 | G0025 | G0846 |

> वह व्यक्ति धन्य है जो परीक्षा में अटल रहता है क्योंकि परीक्षा में खरा उतरने के बाद वह जीवन के उस विजय मुकुट को धारण करेगा, जिसे परमेश्वर ने अपने प्रेम करने वालों को देने का वचन दिया है।

13

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Μηδεὶς | πειραζόμενος | λεγέτω, | ὅτι | Ἀπὸ | Θεοῦ | πειράζομαι. | ὁ | γὰρ |
| कोई | परीक्षा–में-पड़ा-हुआ | कहे | कि | से | परमेश्वर–की–ओर–से | परीक्षा-में-पड़ता-हूँ | वह | क्योंकि |
| G3367 | G3985 | G3004 | G3754 | G0575 | G2316 | G3985 | G3588 | G1063 |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Θεὸς | ἀπείραστός | ἐστιν | κακῶν; | πειράζει | δὲ | αὐτὸς | οὐδένα. |
| परमेश्वर | बिना-परीक्षा | है | बुराइयों–की | परीक्षा-करता-है | और | वह-स्वयं | किसी–की–नहीं |
| G2316 | G0551 | G1510 | G2556 | G3985 | G1161 | G0846 | G3762 |

> परीक्षा की घड़ी में किसी को यह नहीं कहना चाहिए कि “परमेश्वर मेरी परीक्षा ले रहा है,” क्योंकि बुरी बातों से परमेश्वर को कोई लेना देना नहीं है। वह किसी की परीक्षा नहीं लेता।

14

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ἕκαστος | δὲ | πειράζεται, | ὑπὸ | τῆς | ἰδίας | ἐπιθυμίας, | ἐξελκόμενος | καὶ |
| प्रत्येक | पर | परीक्षा-में-पड़ता-है | द्वारा | उसकी | अपनी | अभिलाषा–के | खिंचकर | और |
| G1538 | G1161 | G3985 | G5259 | G3588 | G2398 | G1939 | G1828 | G2532 |

| |
|---|
| δελεαζόμενος; |
| फुसलाकर |
| G1185 |

> हर कोई अपनी ही बुरी इच्छाओं के भ्रम में फँसकर परीक्षा में पड़ता है।

15

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| εἶτα | ἡ | ἐπιθυμία | συλλαβοῦσα. | τίκτει | ἁμαρτίαν; | ἡ | δὲ | ἁμαρτία |
| फिर | वह | अभिलाषा | गर्भ-धारण-करके | जन्म-देती-है | पाप–को | और | वह | पाप |
| G1534 | G3588 | G1939 | G4815 | G5088 | G0266 | G3588 | G1161 | G0266 |

| | | |
|---|---|---|
| ἀποτελεσθεῖσα, | ἀποκύει | θάνατον. |
| पूर्ण-होकर | उत्पन्न-करता-है | मृत्यु |
| G0658 | G0616 | G2288 |

> फिर जब वह इच्छा गर्भवती होती है तो पाप पूरा बढ़ जाता है और वह मृत्यु को जन्म देता है।

16

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Μὴ | πλανᾶσθε, | ἀδελφοί | μου | ἀγαπητοί. |
| न | भटको | भाइयो | मेरे | प्रियो |
| G3361 | G4105 | G0080 | G1473 | G0027 |

> सो मेरे प्रिय भाइयों, धोखा मत खाओ।

17

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| πᾶσα | δόσις | ἀγαθὴ, | καὶ | πᾶν | δώρημα | τέλειον, | ἄνωθέν | ἐστιν, | καταβαῖνον | ἀπὸ |
| हर | दान | उत्तम | और | हर | वरदान | सिद्ध | ऊपर–से | है | उतरता-हुआ | से |
| G3956 | G1394 | G0018 | G2532 | G3956 | G1434 | G5046 | G0509 | G1510 | G2597 | G0575 |

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| τοῦ | Πατρὸς | τῶν | φώτων, | παρ’ | ᾧ | οὐκ | ἔνι | παραλλαγὴ, | ἢ | τροπῆς |
| उस | पिता–से | उन | ज्योतियों–के | जिस–में | जिसमें | नहीं | है | परिवर्तन | या | मोड़–की |
| G3588 | G3962 | G3588 | G5457 | G3844 | G3739 | G3756 | G1762 | G3883 | G2228 | G5157 |

| |
|---|
| ἀποσκίασμα. |
| छाया |
| G0644 |

> प्रत्येक उत्तम दान और परिपूर्ण उपहार ऊपर से ही मिलते हैं। और वे उस परम पिता के द्वारा जिसने स्वर्गीय प्रकाश को जन्म दिया है, नीचे लाए जाते हैं। वह नक्षत्रों की गतिविधि से उप्तन्न छाया से कभी बदलता नहीं है।

18

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| βουληθεὶς, | ἀπεκύησεν | ἡμᾶς | λόγῳ | ἀληθείας, | εἰς | τὸ | εἶναι | ἡμᾶς | ἀπαρχήν |
| चाहकर | जन्म-दिया | हमें | वचन–से | सत्य–के | के-लिए | उस | होने–को | हम | पहले-फल |
| G1014 | G0616 | G1473 | G3056 | G0225 | G1519 | G3588 | G1510 | G1473 | G0536 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| τινα, | τῶν | αὐτοῦ | κτισμάτων, |
| कुछ | उसकी | उसकी | सृष्टि–के |
| G5100 | G3588 | G0846 | G2938 |

> सत्य के सुसंदेश के द्वारा अपनी संतान बनाने के लिए उसने हमें चुना। ताकि हम सभी प्राणियों के बीच उसकी फ़सल के पहले फल सिद्ध हों।

| 19 | Ἴστε, | ἀδελφοί | μου | ἀγαπητοί, | ἔστω | δὲ | πᾶς | ἄνθρωπος | ταχὺς | εἰς | τὸ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | जानो | भाइयो | मेरे | प्रियो | हो | पर | हर | मनुष्य | फुर्तीला | में | उस |
| | G1492 | G0080 | G1473 | G0027 | G1510 | G1161 | G3956 | G0444 | G5036 | G1519 | G3588 |

| ἀκοῦσαι, | βραδὺς | εἰς | τὸ | λαλῆσαι, | βραδὺς | εἰς | ὀργήν; |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सुनने-में | धीमा | में | उस | बोलने-में | धीमा | में | क्रोध-में |
| G0191 | G1021 | G1519 | G3588 | G2980 | G1021 | G1519 | G3709 |

> हे मेरे प्रिय भाईयों, याद रखो, हर किसी को तत्परता के साथ सुनना चाहिए, बोलने में शीघ्रता मत करो, क्रोध करने में उतावली मत बरतो।

| 20 | ὀργὴ | γὰρ | ἀνδρὸς, | δικαιοσύνην | Θεοῦ | οὐκ | ἐργάζεται. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्रोध | क्योंकि | मनुष्य-का | धार्मिकता | परमेश्वर-की | नहीं | करता-है |
| | G3709 | G1063 | G0435 | G1343 | G2316 | G3756 | G2038 |

> क्योंकि मनुष्य के क्रोध से परमेश्वर की धार्मिकता नहीं उपजती।

| 21 | διὸ, | ἀποθέμενοι | πᾶσαν | ῥυπαρίαν | καὶ | περισσείαν | κακίας, | ἐν | πραΰτητι |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | इसलिए | उतारकर | सब | मलिनता | और | बहुतायत | बुराई-की | में | नम्रता-से |
| | G1352 | G0659 | G3956 | G4507 | G2532 | G4050 | G2549 | G1722 | G4240 |

| δέξασθε | τὸν | ἔμφυτον | λόγον, | τὸν | δυνάμενον | σῶσαι | τὰς | ψυχὰς | ὑμῶν. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रहण-करो | उस | रोपे-हुए | वचन-को | जो | समर्थ | बचाने-में | उन | प्राणों-को | तुम्हारे |
| G1209 | G3588 | G1721 | G3056 | G3588 | G1410 | G4982 | G3588 | G5590 | G4771 |

> हर घिनौने आचरण और चारो ओर फैली दुष्टता से दूर रहो। तथा नम्रता के साथ तुम्हारे हृदयों में रोपे गए परमेश्वर के वचन को ग्रहण करो जो तुम्हारी आत्माओं को उद्धार दिला सकता है।

| 22 | γίνεσθε | δὲ | ποιηταὶ | λόγου, | καὶ | μὴ | ἀκροαταὶ | μόνον, | παραλογιζόμενοι |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | बनो | पर | करनेवाले | वचन-के | और | न | सुननेवाले-ही | केवल | धोखा-देते-हुए |
| | G1096 | G1161 | G4163 | G3056 | G2532 | G3361 | G0202 | G3440 | G3884 |

| ἑαυτούς. |
|---|
| अपने-आप-को |
| G1438 |

> परमेश्वर की शिक्षा पर चलने वाले बनो, न कि केवल उसे सुनने वाले। यदि तुम केवल उसे सुनते भर हो तो तुम अपने आपको छल रहे हो।

| 23 | ὅτι | εἴ | τις | ἀκροατὴς | λόγου | ἐστὶν, | καὶ | οὐ | ποιητής, | οὗτος | ἔοικεν |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्योंकि | यदि | कोई | सुननेवाला | वचन-का | हो | और | नहीं | करनेवाला | यह | समान-है |
| | G3754 | G1487 | G5100 | G0202 | G3056 | G1510 | G2532 | G3756 | G4163 | G3778 | G1503 |

| ἀνδρὶ | κατανοοῦντι | τὸ | πρόσωπον | τῆς | γενέσεως | αὐτοῦ | ἐν | ἐσόπτρῳ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मनुष्य-के | देखनेवाले | उस | मुख | उसके | जन्म-के | अपने | में | दर्पण-में |
| G0435 | G2657 | G3588 | G4383 | G3588 | G1078 | G0846 | G1722 | G2072 |

> क्योंकि यदि कोई परमेश्वर की शिक्षा को सुनता तो है और उस पर चलता नहीं है, तो वह उस पुरुष के समान ही है जो अपने भौतिक मुख को दर्पण में देखता भर है।

| 24 | κατενόησεν | γὰρ | ἑαυτὸν | καὶ | ἀπελήλυθεν, | καὶ | εὐθέως | ἐπελάθετο | ὁποῖος |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | देखा | क्योंकि | अपने-आप-को | और | चला-गया | और | तुरन्त | भूल-गया | कैसा |
| | G2657 | G1063 | G1438 | G2532 | G0565 | G2532 | G2112 | G1950 | G3697 |

| ἦν. |
|---|
| था |
| G1510 |

> वह स्वयं को अच्छी तरह देखता है, पर जब वहाँ से चला जाता है तो तुरंत भूल जाता है कि वह कैसा दिख रहा था।

25

| ὁ | δὲ | παρακύψας | εἰς | νόμον | τέλειον, | τὸν | τῆς | ἐλευθερίας, | καὶ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वह | पर | झुककर-देखनेवाला | में | व्यवस्था | सिद्ध | उस | उस | स्वतन्त्रता–की | और |
| G3588 | G1161 | G3879 | G1519 | G3551 | G5046 | G3588 | G3588 | G1657 | G2532 |

| παραμείνας, | οὐκ | ἀκροατὴς | ἐπιλησμονῆς | γενόμενος, | ἀλλὰ | ποιητὴς | ἔργου-- | οὗτος |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बना-रहनेवाला | नहीं | सुननेवाला | भूलने–का | होकर | पर | करनेवाला | काम–का | यह |
| G3887 | G3756 | G0202 | G1953 | G1096 | G0235 | G4163 | G2041 | G3778 |

| μακάριος | ἐν | τῇ | ποιήσει | αὐτοῦ | ἔσται. |
|---|---|---|---|---|---|
| धन्य | में | उस | करने–में | अपने | होगा |
| G3107 | G1722 | G3588 | G4162 | G0846 | G1510 |

> किन्तु जो परमेश्वर की उस सम्पूर्ण व्यवस्था को निकटता से देखता है, जिससे स्वतन्त्रता प्राप्त होती है और उसी पर आचरण भी करता रहता है, और सुन कर उसे भूले बिना अपने आचरण में उतारता रहता है, वही अपने कर्मों के लिए धन्य होगा।

26

| Εἴ | τις | δοκεῖ | θρησκὸς | εἶναι, | μὴ | χαλιναγωγῶν | γλῶσσαν | αὐτοῦ, | ἀλλὰ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| यदि | कोई | समझता-है | धार्मिक | होना | नहीं | लगाम-लगाता-हुआ | जीभ–पर | अपनी | पर |
| G1487 | G5100 | G1380 | G2357 | G1510 | G3361 | G5468 | G1100 | G0846 | G0235 |

| ἀπατῶν | καρδίαν | αὐτοῦ, | τούτου | μάταιος | ἡ | θρησκεία. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| धोखा-देता-हुआ | हृदय–को | अपने | इसकी | व्यर्थ | है | भक्ति |
| G0538 | G2588 | G0846 | G3778 | G3152 | G3588 | G2356 |

> यदि कोई सोचता है कि वह भक्त है और अपनी जीभ पर कस कर लगाम नहीं लगाता तो वह धोखे में है। उसकी भक्ति निरर्थक है।

27

| θρησκεία | καθαρὰ | καὶ | ἀμίαντος | παρὰ | τῷ | Θεῷ | καὶ | Πατρὶ | αὕτη | ἐστίν: |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भक्ति | शुद्ध | और | निर्मल | के-सामने | उस | परमेश्वर–के | और | पिता–के | यह | है |
| G2356 | G2513 | G2532 | G0283 | G3844 | G3588 | G2316 | G2532 | G3962 | G3778 | G1510 |

| ἐπισκέπτεσθαι | ὀρφανοὺς | καὶ | χήρας | ἐν | τῇ | θλίψει | αὐτῶν; | ἄσπιλον |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| देखभाल-करना | अनाथों–की | और | विधवाओं–की | में | उनके | क्लेश–में | उनके | निष्कलंक |
| G1980 | G3737 | G2532 | G5503 | G1722 | G3588 | G2347 | G0846 | G0784 |

| ἑαυτὸν | τηρεῖν | ἀπὸ | τοῦ | κόσμου. |
|---|---|---|---|---|
| अपने-आप-को | रखना | से | उस | संसार-से |
| G1438 | G5083 | G0575 | G3588 | G2889 |

> परम पिता परमेश्वर के सामने सच्ची और शुद्ध भक्ति वही है जिसमें अनाथों और विधवाओं की उनके दुःख दर्द में सुधि ली जाए और स्वयं को कोई सांसारिक कलंक न लगने दिया जाए।